

2



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 2 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर-1

6988833

- (1) 100 - 120 दिन ✓
- (2) फेलोपियन इयूब में ✓
- (3) "पियुष ग्रन्थि" ✓
- (4) "दो" ✓
- (5) "पीलिया" ✓

ISE

उत्तर-2

- (1) "बाँधी" ✓
- (2) "16 से 20" ✓
- (3) "अनुमसितक" ✓
- (4) "तूक के ऊपर" ✓
- (5) "पहम" ✓

3



प्रश्न क्र.

उत्तर-3

- (1) हल्के पीले रंग का क्षारीय रक्त कोलरडॉल है।
- (2) 16 उम्र से कम उम्र के बच्चे ! ✓
- (3) O_2 लेना व CO_2 निकालना श्वसन है।
- (4) "धूमन इम्यूनो इम्यूनो डिफिसिएन्सी वाथरस"
- (5) अनास्त्राव के रसायन को हार्मोन्स कहते हैं।

उत्तर-4

(1) नंत्रिकाकाथ	डेन्ड्रान
(2) पलके	मिमोमिथन अन्थि
(3) टूनीकेट	रक्तस्त्राव रोकने में
(4) तबाद व तफान	किशोरावस्था
(5) मिमोमिथा	डिटलोकोकस मिमोमियाई

4



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर-5

प्राणायाम (Pranayam)

प्राणायाम के दो लाभ निम्न हैं।

① इससे पाचन संस्थान के सभी अंग सक्रिय हो जाते हैं।

इस आन्तरिक सक्रियता के कारण पाचन संस्थान की गठबन्धन ठीक होकर उनमें सुधार हो जाता है। पेट की स्थूलता, पेयिश, अतिसार, वायु विकार आदि दूर हो जाते हैं।

उत्तर-6

प्रतिवर्ती क्रिया (Reflex action)

प्रतिवर्ती क्रिया एक प्रकार की अनैच्छिक क्रिया है जो किसी बाहरी उत्तेजना के फलस्वरूप होती है।

उदा - जैसे - सुई या काँच चुभने पर हाथ का हट जाना।

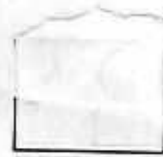
5



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 5 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर-7

हैंजा रोग के लक्षण (Symptoms of cholera)

हैंजा रोग के लक्षण निम्नलिखित हैं।

- 1) रोगी का शारीरिक वजन 10% घट जाता है।
- 2) एक माह से पहले ही बुखार आ जाता है।
- 3) एक माह से पहले ही दस्त लग जाते हैं।
- 4) व्यास अधिक लगती है, पेशाब सूखा बंद हो जाता है।

B
S
E

उत्तर-8 (08)

अस्थि भंग के लक्षण (Symptoms of fracture)

अस्थि भंग के लक्षण निम्नलिखित हैं।

- 1) उस भंग पर या आस-पास के भंगो पर साधारण सा दब भी सहन नहीं होता है।
- 2) उस भंग का स्वभाविक आकार बदल

6



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 6 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

जाता है

3 असिध भंग वाले स्थान पर स्तूजन भा जाती है

4 जिस भंग की असिध भंग हुई हो उस भंग से काम नहीं होता है।
5 हड्डियाँ दूधने की भावने जाती है।

6 असिध भंग में व्यक्ति सीधा खड़ा नहीं हो सकता है।

7 उस भंग पर व्यक्ति को अधिक बढ़े होता है उसे धिलाया नहीं जा सकता है।

B
S
E

उत्तर-9 (08)

टाइफाइड के कारण (Causes of spreading of Typhoid)

टाइफाइड रोग फैलने के कारण निम्न हैं।

1 यह रोग वासा भोजन, दूध आदि द्वारा प्रसारित होता है।

2 बिना ढका भोजन, बाजार में मिलने वाली दूषित मिठाईयों के सेवन से यह रोग फैलता है।

3 व्यक्तिगत अशुचिता - जैसे शौच करने के बाद साबुन से धोना

7

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 7 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्र.

मही धोना, गंदे तालाबों आदि में स्नान
कर लेना, कपड़े धो लेना आदि।

④ व्यक्तिगत असवृद्धता, अज्ञानता, भ्रष्टता
आदि के कारण भी यह रोग
फैलता है।

⑤ गंदे पानी के सेवन से भी यह
रोग फैलता है।

⑥ सड़े-गले फलों व सब्जियों के सेवन
से यह रोग फैलता है।

B
S
E

उत्तर- 10

बाल अपराध के कारण (Causes of Juvenile Delinquency)

बालको जो अपराधी पृवृती अपने माता-
पिता से वशानुकुम द्वारा प्राप्त होती
है। इसलिये वेलेनटाइन में लिखा है।
" अनुवाशिक लक्षण अपराधि पृवृति
को जन्म देता है "

बाल अपराध उत्पन्न होने के कारण
निम्नलिखित है।

① पारिवारिक कारण (Family Causes)

बाल अपराध के पारिवारिक कारण हैं।

8

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 8 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्र.

- परिवार में बालक को माता-पिता द्वारा
- 1 उत्तम वातावरण देना चाहिए।
 - 2 माता-पिता को बालको का निर्देशन करना चाहिए।

2 सामाजिक कारण (Social causes)

बाल अपराध के सामाजिक कारण हैं।

- 1 समाज में बालको के लिए मनोरंजन करना चाहिए।
- 2 मिशन बालको की सहायता करना चाहिए।

3 विद्यालय के कारण (School causes)

बाल अपराध के विद्यालय संबंधी कारण हैं।

- 1 शिक्षको द्वारा बालको के लिए उचित वातावरण की व्यवस्था करनी चाहिए।
- 2 बालको व बालिकाओं के लिए अच्छे पुस्तकालय की व्यवस्था करनी चाहिए।

B
S
E

9

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर-12 (08)

सुपुम्ना नाड़ी (Spinal cord)

यह एक पतली जोरी के समान होती है, जो मस्तिष्क से निकलकर मेरुदण्ड की पोलो नली में उतरती है। मेरुदण्ड के कारण इसका वक्राव अच्छी तरह से हो जाता है। यह कमर के पहले कशेरुका के पाल समाप्त हो जाती है। इसकी लम्बाई 38 से 45 से.मी. है। चौड़ाई 1 से.मी. होती है। यह ऊपर मेड्युला आबलॉगेवा से जुड़ी रहती है। यह जहाँ समाप्त होती है वहाँ गुच्छों के रूप में होती है।

सुपुम्ना की रचना (Structure of spinal cord)

सुपुम्ना भी मेड्युला की तरह बाहर से White matter व अन्दर से Gray matter की बनी होती है। White matter तंत्रिका तंतुओं का बना होता है। ये तंतु सुपुम्ना से मस्तिष्क तक जाते हैं। ये दो प्रकार के होते हैं।

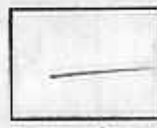
B
S
E

10



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 10 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

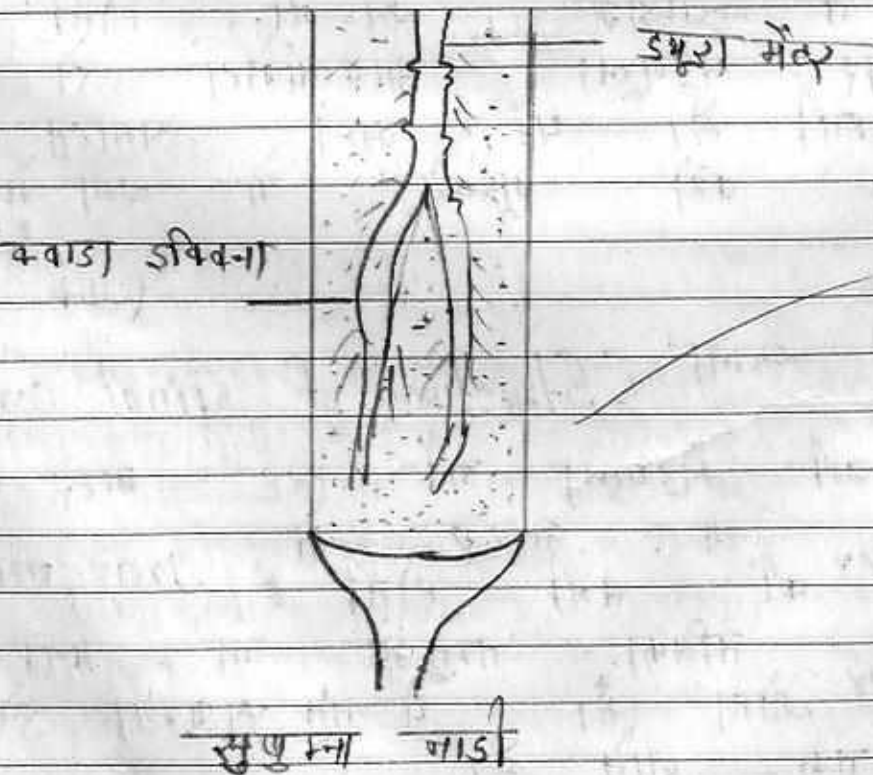
1) आजावाहक (Efferent nerve fibers)

ये सुपुम्ना से आजा ले जाकर मस्तिष्क को देते हैं।

2) संदेशवाहक (Afferent nerve fibers)

ये मस्तिष्क से संदेश ले जाकर सुपुम्ना को देते हैं।

B
S
E



11



भाग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 11 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर-13 (08)

कृत्रिम श्वसन (Artificial respiration)

अचानक दुर्घटना हो जाने पर या अचानक किसी व्यक्ति के विमर्ष पड जाने पर उसको या डूब जाने पर कृत्रिम श्वसन दिया जाता है। कृत्रिम श्वसन जीवन बचाने के लिए किया जाता है।

B
S
E

कृत्रिम श्वसन के प्रकार :- कृत्रिम श्वसन के प्रकार निम्न हैं।

- ① शोफर विधि
- ② सिल्वेस्टर विधि
- ③ लोवार्ड विधि
- ④ मुँह से मुँह की विधि

① शोफर विधि :- इस विधि में व्यक्ति को उलटा लेटाया जाता है। व उसके दोनों हाथ ऊपर की ओर लम्बे कर दिए जाते हैं। एवं उसका चेहरा टेढ़ा कर देते हैं। सब श्वसन देने वाला व्यक्ति रोगी के कमर के पास बैठ जाता है। सब कृत्रिम श्वसन देने वाला व्यक्ति अपने दोनों अंगुली को व्यक्ति के मेरूदण्ड पर इस

12



+



=



योग पूरा २०

पृष्ठ 12 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रकार रखते हैं कि मेरुदण्ड को दबाकर
 रखा जा सके व व्यक्ति अपनी
 अंगुलियों को बगल में छोड़
 देता है। केवल अंगुली का पूरा
 जोर मेरुदण्ड पर लगाते हैं
 फिर धीरे से हाथों को ऊपर
 उठाते हैं व फिर नीचे छोड़
 देते हैं। इससे कंधों में कैलाश
 पैदा हो जाता है व अन्दर
 बरी वायु बाहर निकाली जाती है।

B
S
E

यह विधि किसी व्यक्ति के घायल हो
 जाने पर उपयोग में लायी जाती
 है।

उत्तर-14

पर्यावरण: प्रदूषण (Environmental hazard)

मानव जन पर्यावरण प्रदूषण निरन्तर बढ़ता
 जा रहा है। इसका एक प्रमुख
 कारण तो मनुष्य है जिसके कारण
 पर्यावरण प्रदूषण हमें घबरा
 पहुँचो रहा है।

पर्यावरण प्रदूषण के कारण मिन है।

13



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 13 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

- 1 अनिश्चित जनसंख्या वृद्धि
- 2 घटिया कृषि कार्य
- 3 सूक्ष्म का कटना
- 4 पारखानों का अधिक उपयोग

1 अनिश्चित जनसंख्या वृद्धि :- बढ़ती हुई जनसंख्या भी पथविरण प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है आज लोग अधिक जनसंख्या में अपने उपयोग की वस्तुएँ सभी प्रकृति से ही पा रहे हैं जिसके कारण लगातार हमारे प्रदूषण को हानि हो रही है इसके कारण बाद व भूकम्प की संभावना मिनट व बढ़ती जा रही है जिसे सम्पूर्ण विश्व से अनुभव किया जा रहा है।

B
S
E

2 घटिया कृषि कार्य :- आजकल लगातार घटती घटती घटिया कृषि कार्य के कारण भी हमारे पथविरण को नुकसान हो रहा है आज कृषि में लगातार रासायनिक पदार्थों का अधिक उपयोग किया जाता है जिसके कारण हमलों में भी सम्मिलित होते हैं।

3 सूक्ष्म का कटना :- आजकल लगातार सूक्ष्म का कटना

14

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 14 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्र.

की जा रही है। जिसके कारण अधिक मात्रा में वर्षात भी नहीं हो रही है। जिस कारण से आकाल आ पड़ा है। वृष्यपतिरण को हानि हो रही है।

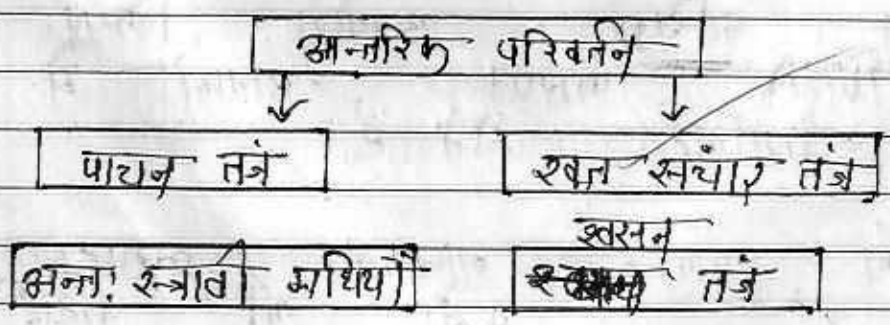
4) कारखानों का उपयोग आकाल कारखानों के अधिक उपयोग से भी वर्षतिरण प्रदूषित हो रहा है। व जन हानि का रहा है।

B
S
E

उत्तर-15 (08)

आन्तरिक परिवर्तन (Internal changes)

किशोर अवस्था में होने वाले आन्तरिक परिवर्तन निम्न हैं।
आन्तरिक वृद्धि पूर्व किशोर अवस्था में काफी मात्रा में होती है।



15



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 15 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

1 पाचन तंत्र पूर्ण किशोर अवस्था में पाचन तंत्र के अंगों के आकार में परिवर्तन हो जाता है। यह परिवर्तन बाहर से दिखाई नहीं देता है। जैसे - अमाशय का लम्बा होना, यकृत के आर में वृद्धि, आसतली का आकार छोटा होना आदि।

2 श्वेत संचार तंत्र :- जन्म के समय में आर चर से 6 पांचे गुना, 12 वर्ष में सात गुना व 0 यस्क होने तक 12 गुण गुना बढ़ जाता है। इसके साथ शनधिर कोशिकाओं की संख्या में भी वृद्धि होती है।

3 श्वसन तंत्र :- बालक - बालिकाओं के चयापचय की दर पूर्व किशोर अवस्था में बढ़ जाती है। फिर बाद में घट जाती है। इसके साथ श्वसन तंत्र का आकार भी परिवर्तन होता है।

4 अन्तः स्त्रावी ग्रंथियों :- पूर्व किशोर अवस्था में नृलिका विहीन ग्रंथियों का आकार भी बढ़ता है।

B
S
E

16



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 16 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर-16 (08)

रक्त (Blood)

मानव शरीर के सभी भागों में लगातार बहने वाला गाढ़ा लाल रंग का द्रव रक्त कहलाता है।

B
S
E

रक्त के कार्य

श्वसन के लिए आवश्यक गैसों का परिवहन

अन्य पदार्थों का परिवहन

अपशिष्ट पदार्थों का निष्कासन

शारीरिक ताप का नियंत्रण

अम्ल-क्षार का संतुलन

(L) श्वसन के लिए आवश्यक गैसों का परिवहन

रक्त शरीर के प्रत्येक भाग की कोशिकाओं को ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए CO_2 वापस लेकर फेंकने का काम करता है।

17

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 17. के अंक

उत्तर जक



प्रश्न क्र.

2

मोक्ष्य पदार्थों का परिवहन :- रक्त भोजन से अवशोषित किए गए पौष्टिक तत्वों को शरीर के प्रत्येक अंग तक पहुँचाने का काम करता है।

3

अपशिष्ट पदार्थों का निष्कासन :- रक्त तथा पच्य वी क्रियाओं में बने पाले अपशिष्ट पदार्थों को उत्सर्जने अंगों तक पहुँचाते हैं।

B
S
E

4

शारीरिक ताप का नियमन :- जोशिकाओं में आवेसीजन पहुँचाकर जो आवेसीकरण की क्रिया होती है। उससे शरीर के आन्तरिक अंगों में गर्मी अधिक मात्रा में उत्पन्न होती है।

5

अम्ल क्षार का संतुलन :- रक्त में हिमोग्लोबिन एक अच्छे बफर की तरह कार्य करता है। व शरीर का संतुलन बनाए रखता है।

	+		=	
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 18 के अंक		कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर-18 (08)

जीवाणु कोशिका (Bacterial cell)

जीवाणु कोशिका की रचना निम्न है।

- | | | |
|---|----------------|-----------------|
| 1 | कोशिका भित्ति | (cell wall) |
| 2 | कोशिका झिल्ली | (cell membrane) |
| 3 | कोशिका द्रव्य | (cytoplasm) |
| 4 | उपधमिक केंद्रक | (Nucleus) |
| 5 | कशाभिका | (Flagella) |

B
S
E

1) कोशिका भित्ति :- जीवाणु कोशिका के चारों ओर कोशिका भित्ति पायी जाती है। जो इसे निश्चित आकार देकर उत्तकूल वातावरण से बचाती है। इनकी कोशिका भित्ति सेल्युलोज की बनी होती है।

2) कोशिका झिल्ली :- जीवाणु की कोशिका भित्ति के नीचे जीवद्रव्य के चारों ओर एक पतली झिल्ली के रूप में कोशिका झिल्ली पायी जाती है। यह कोसल होती है।

19

$$\square + \square = \square$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 19 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

3) कोशिका इत्यः - जीवाणुओं की संख्या तन्तु को छोड़कर शेष अन्तः कोशिका इत्य होता है जो कणिकामय शय्या जता है।

4) प्राथमिक केन्द्रकः - जीवाणुओं में प्राथमिक पुंज का केन्द्रक पाया जाता है जिसमें केन्द्रक अति तथा गुणसुत्री का आभाव होता है। ये केन्द्रक आभासी भी होते हैं।

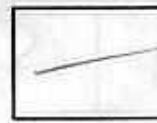
5) कशाभिकाः - जीवाणुओं में चल जीवाणु कशाभिका पायी जाती है जो लम्बी होती है यह कशाभिका जीवाणुओं को पृष्ठ की सहायता से चलने में मदद भी करते हैं। इनकी कुछ बड़े रोमों के रूप में भी आरमनी से होती है। इसे ही कशाभिका कहते हैं।

B
S
F



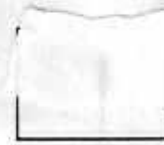
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 20 के अंक

=



कुल अंक



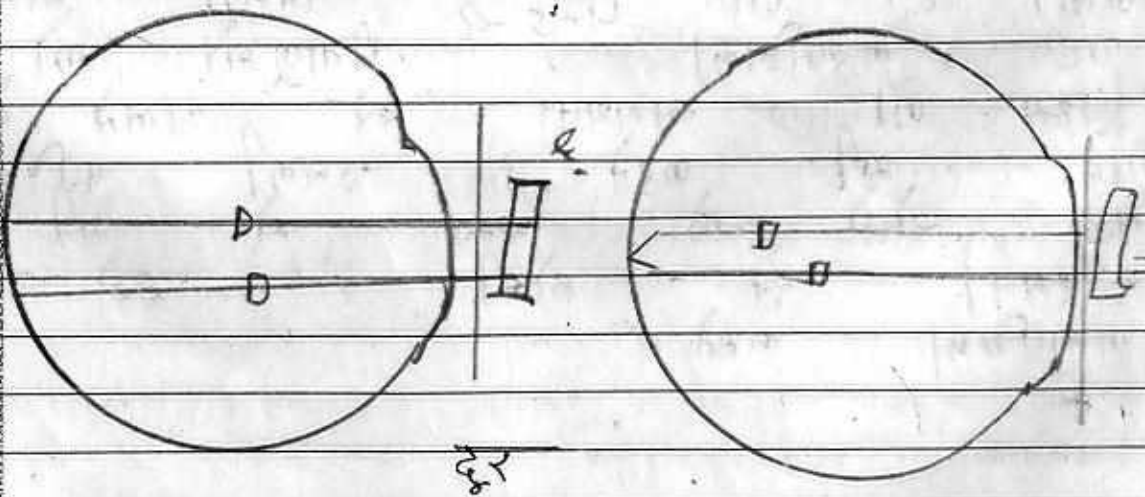
प्रश्न क्र.

उत्तर-17

दूर दृष्टि दोष (Longsight defects)

इसमें दूर की वस्तु स्पष्ट दिखाई देती है। क्योंकि दूर की वस्तु को केन्द्रित होने के लिए कम अधिक दूरी की आवश्यकता होती है। व पास की वस्तु अस्पष्ट दिखाई देती है। इसे दूर करने के लिए उतल लेंस का प्रयोग करना चाहिए। यह जन्मजात दोष है।

B
S
E



निकट दृष्टि दोष:- इसमें निकट की वस्तु स्पष्ट दिखाई देती है। व पास की अस्पष्ट दिखने के लिए इसे दूर करने के लिए

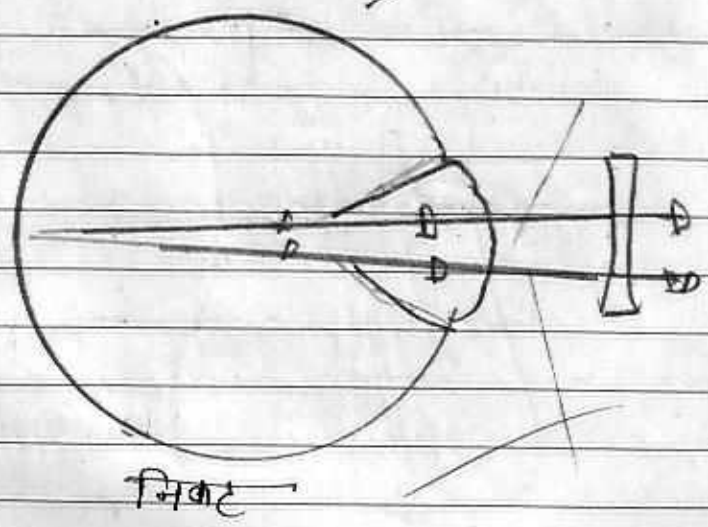
21

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 21 क अंक कुल अंक



प्रश्न क्र. ~~अवतल लेंस का उपयोग करना चाहिए व प्रतिबिम्ब स्पष्ट बनता है।~~



B
S
E

कारण :- ~~मिक्त दृष्टि दोष के कारण मिन्न है।~~

- ① ~~आँसू का एक दिशा में कार्य न करना।~~
- ② ~~अचौ व बिया दिखाई देना।~~
- ③ ~~आँसू में जलन पडना।~~

निराकरण :- ~~इसके निराकरण के लिए अवतल व उत्तल लेंसों का उपयोग करना चाहिए व अति आवश्यक होता है।~~

22

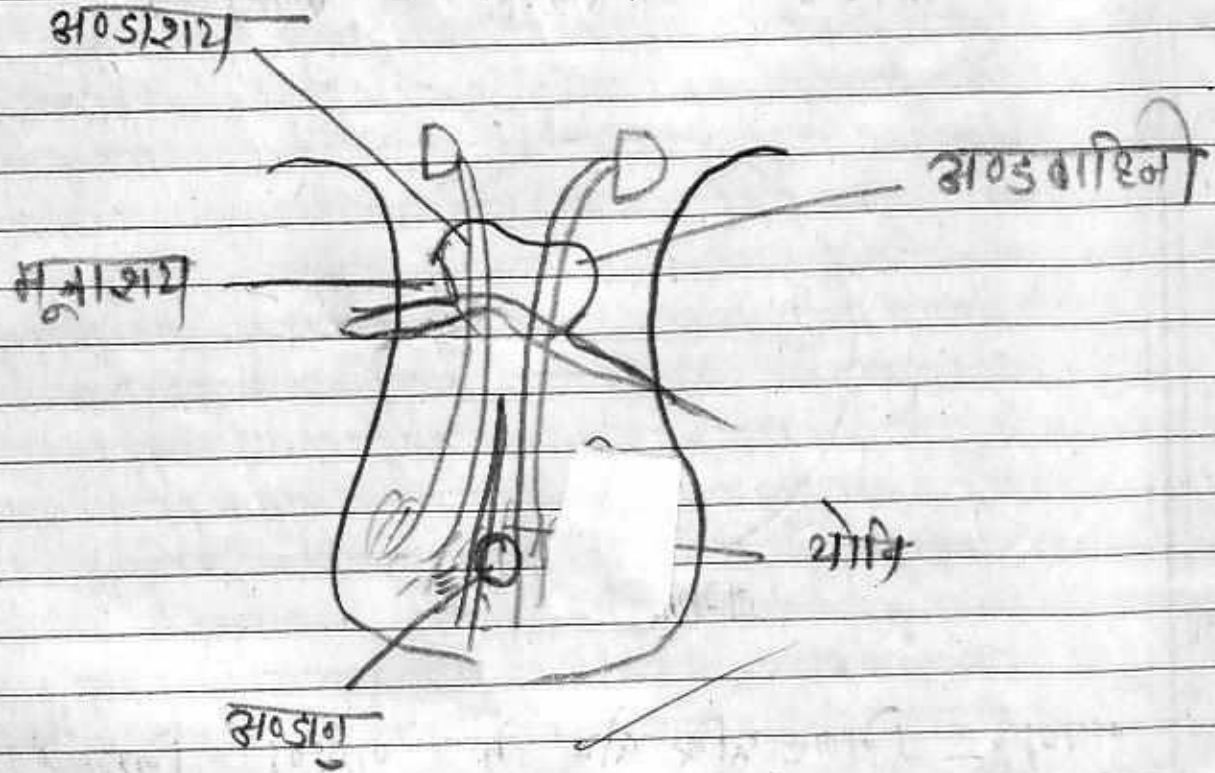
$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 22 के अंक कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 11



मादा जनन अंगों

E
S
E